आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 26.01.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

- राष्ट्र आज सतत्तरवां गणतंत्र दिवस मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व किया।
- द्वीप समूह में भी आज सतत्तरवां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।
- आदिवासी समूह के सशक्त प्रदर्शन और महिला स्वयं सहायता समूह ने कैम्पबल बे में गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।
- डिगलीपुर में स्कूली बच्चों की प्रभात फेरी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गणतंत्र दिवस पर अनुशासन और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

<><><><><><><><>

राष्ट्र आज सतहत्तरवां गणतंत्र दिवस पूरे गौरव और उत्साह के साथ मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व किया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया। राष्ट्रपति, परेड के मुख्य अतिथि यूरोपीय संघ के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन के साथ एक औपचारिक बग्गी में कर्तव्य पथ पहुंचीं। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान हुआ और 21 तोपों की सलामी दी गई। कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और सशक्त सैन्य शक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस वर्ष परेड की थीम "स्वतंत्रता का मंत्र – वंदे मातरम" और "समृद्धि का मंत्र – आत्मनिर्भर भारत" रही। परेड में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों तथा विभिन्न मंत्रालयों की 30 झांकियां प्रदर्शित की गईं, जिनमें वंदे मातरम् की 150 वर्षों की यात्रा और आत्मनिर्भर भारत की प्रगति को दर्शाया गया। तीनों सेनाओं की झांकी में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रयुक्त हथियार प्रणालियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल, सूर्यास्त्र रॉकेट प्रणाली तथा अर्जुन मुख्य युद्धक टैंक का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया। परेड का समापन वायुसेना के राफेल, सुखोई–30 और मिग–29 विमानों के फ्लाईपास्ट के साथ हुआ। समारोह में ढाई हजार से अधिक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा देश–विदेश से आए विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

<><><><><><><><>

नेताजी स्टेडियम में आज सतहत्तरवां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह में उपराज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। इससे पूर्व उन्होंने सेल्यूलर जेल स्थित राष्ट्रीय स्मारक में देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर समारोह स्थल पर पहुंचे। ध्वजारोहण के साथ ही भारतीय सेना का एमआई–17 हेलीकॉप्टर राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए सलामी मंच के ऊपर से गुजरा, जिसने पूरे वातावरण को गौरव और उत्साह से भर दिया। भारतीय नौसेना के चेतक हेलीकॉप्टर ने, पुष्पवर्षा कर समारोह को और भी भव्य बना दिया। उप राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर द्वीपवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की ओर अग्रसर है।

इस अवसर पर सशस्त्र एवं अर्धसैनिक बलों, पुलिस, गृह रक्षक, अग्निशमन सेवा, वन विभाग तथा महिला टुकड़ियों ने मार्च–पास्ट किया। इस दौरान वन विभाग की भूमिका की सराहना करते हुए कहा गया कि विभाग देश के वनों, वन्यजीवों और अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं सतत प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

<><><><><><><><>

महिला कर्मियों की सशक्त उपस्थिति ने पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र सेवा में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया। समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा विकास और नवाचार को दर्शाती आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। जहाजरानी सेवा निदेशालय की झांकी में भारत के एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी बैरन द्वीप के सुरक्षित समुद्री दर्शन की पहल को प्रदर्शित किया गया। गाराचरमा में प्रस्तावित डेढ़ सौ बिस्तरों वाले जिला अस्पताल, SPICE PRAVAH पहल के अंतर्गत मसाला फसलों की खेती, तथा फूलों की व्यावसायिक खेती से संबंधित झांकियां भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अंडमान–निकोबार पुलिस द्वारा प्रस्तुत डेयरडेविल बुलेट शो रहा, जिसमें सत्तर पुलिसकर्मियों, जिनमें 15 महिला पुलिसकर्मी शामिल थीं, ने साहसिक करतबों का शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

<><><><><><><><>

कैम्पबेल बे क्षेत्र में भी आज सतहत्तरवां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य समारोह मिनी स्टेडियम में आयोजित किया गया, जिसमें सहायक आयुक्त डॉ. केशव नरेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित

रहे। इस दौरान सहायक आयुक्त द्वारा बीस से अधिक विभागों और पंचायतों को प्रशस्ति प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। समारोह में आदिवासी समूहों द्वारा कबड्डी फाइनल मैच और महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा स्टॉलों का प्रदर्शन भी किया गया।

<><><><><><><>

डिगलीपुर में भी आज सतहत्तरवां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी सरकारी कार्यालयों, पंचायती राज संस्थाओं एवं सांस्कृतिक संगठनों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। समारोह की शुरुआत स्कूली बच्चों द्वारा आयोजित प्रभात फेरी से हुई। इस अवसर पर मध्योत्तर अंडमान जिला परिषद अध्यक्ष श्रीबाश चन्द्र दास ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस दौरान स्कूली छात्रों द्वारा रंगारंग देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए।

उधर, डिगलीपुर उप शिक्षा अधिकारी कार्यालय तथा डिगलीपुर शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों में भी गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

<><><><><><><>

पूरे देश के साथ अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह में भी सोलहवां राष्ट्रीय मतदाता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य समारोह टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें द्वीपों के मुख्य सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य सचिव द्वारा उपस्थित लोगों को मतदाता शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर द्वीपसमूह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। मुख्य सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि मताधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

<><><><><><><>

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में बशीरहाट–2 के खंड विकास अधिकारी और सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारी सुमित्रा प्रतिम प्रधान को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया है। बशीरहाट उत्तरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची पुनरीक्षण में अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बाद निलंबन का आदेश दिया गया है।

<><><><><><><>